

BEFORE THE HON'BLE COURT OF BOARD OF REVENUE

क्रमा - 102-PB216

CAMP BHOPAL, (M.P.)

In RE Revision No...../2015-16

(Arising out of Impugned order dated 07.01.2013 in Review Application)

IN THE MATTER OF :

1. Chhavi Ram S/o Gokul aged 60 years
 2. Ram Gopal S/o Gokul Prasad aged 35 years
 3. Vijaya Singh S/o Gokul Prasad aged 58 years
- Caste of all Kushawaha, All residents of
Village - Kokalpur, Tehsil- Begamganj
Distt. Raisen (M.P.

श्री के.पी. सिंह शर्मा
द्वारा दायर दि. 31/12/18 ई.
पुस्तिका

31/11

अधीक्षक
कार्यालय कमिश्नर
भोपाल संभाग, भोपाल

.....Revisionists

VERSUS

Ramesh Kumar S/o Bhanwar Lal
aged 58 years, R/o Begamganj, Raisen

.....Non Revisionists

Revision u/s 50 of the Land Revenue Code-1959

The Revisionists Respectfully Showeth :

MAIN POINT NO. 1

- (1) Cause of action of the revision followed by the order dated 07.05.2015 as AZ¹ Series & RD on 12.12.2015 of the Hon'ble High Court in WP No. 18168/14 allowing withdrawal with liberty

Handwritten signature

to challenge impugned order dated 07.01.2013 in revision preceded by the following orders A, B, C, D hence this instant revision u/s 50 of LRC 1959.

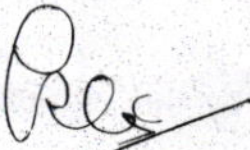
(A) Impugned Order/Judgement dated 23.06.2011 in the case No. 4/Appeal/2008-09.

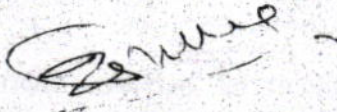
(B) Passed by the authority Shri Urmil Mishra, Upper Aayukt (Commissioner) Bhopal Division, Bhopal. Dated 07.03.2013 & RD on 03.02.2014 (**Annex. No. B 1A**).

(C) Order of dismissal passed by Board of revenue dated 24.04.2014 in Appeal No. 1225/PBR-14 leading to filing W.P. No. 18168/14 u/article 227 constitution of India where in this revision has been directed to file before this Hon'ble Board.

(D) Against the appellants who were aggrieved by the earlier order dated 22.07.2008 of the Court of Sub Divisional Officer (Anuvibhagiya Aadhikary) Revenue Begamganj in the appeal No. 5/Appeal/A-6/A/6A/2007-08 (**Annex. No.**

***-A).**


K.P. SINGH
ADVOCATE
H.C./S.C. PRACTITIONER
M.-9303132084





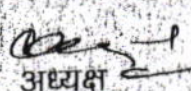
MAIN POINT NO. 2

The Revisionists having been arrgieved by the impugned order mentioned UTSUPRA IN Point - 1 (A & B) had preferred the review application on the following grounds but was arbitrarily un appreciably & callously rejected. Hence ^{NOW, ON DIRECTION OF HON'BLE HC.} preferred this revision on the same point.



न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आवेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक स्थान तथा दिनांक	निगरानी 702-पीबीआर/16 कार्यवाही तथा आदेश	जिला रायसेन पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
2-9-2016	<p>आवेदकगण के विद्वान अधिवक्ता द्वारा ग्राह्यता व समय सीमा के बिन्दु पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । आवेदक की ओर से इस न्यायालय में अपर आयुक्त के आदेश दिनांक 7-1-13 के विरुद्ध इस न्यायालय में यह निगरानी दिनांक 3-2-2016 को लगभग 3 वर्ष से भी अधिक विलम्ब से प्रस्तुत की गई है । तर्क के दौरान आवेदक की ओर से बताया गया है कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 7-5-15 के परिप्रेक्ष्य में इस निगरानी में हुये विलम्ब को क्षमा किया जाना चाहिये । माननीय उच्च न्यायालय द्वारा आवेदकगण के अनुरोध पर ही निगरानी प्रस्तुत किये जाने की Liberty के साथ रिट याचिका वापिस की गई है । इसके अतिरिक्त माननीय उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 7-5-15 के पश्चात् भी इस न्यायालय में निगरानी दिनांक 3-2-16 को 9 माह से भी अधिक विलम्ब से प्रस्तुत की गई है । अतः विलम्ब का कारण समाधानकारक नहीं होने से यह निगरानी प्रथमदृष्टया अवधि बाह्य मानकर अगाह्य की जाती है ।</p>	<p style="text-align: right;">  अध्यक्ष </p>